राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 420
नागराज और
मिस्टर 420
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर
amaan.cooldude18
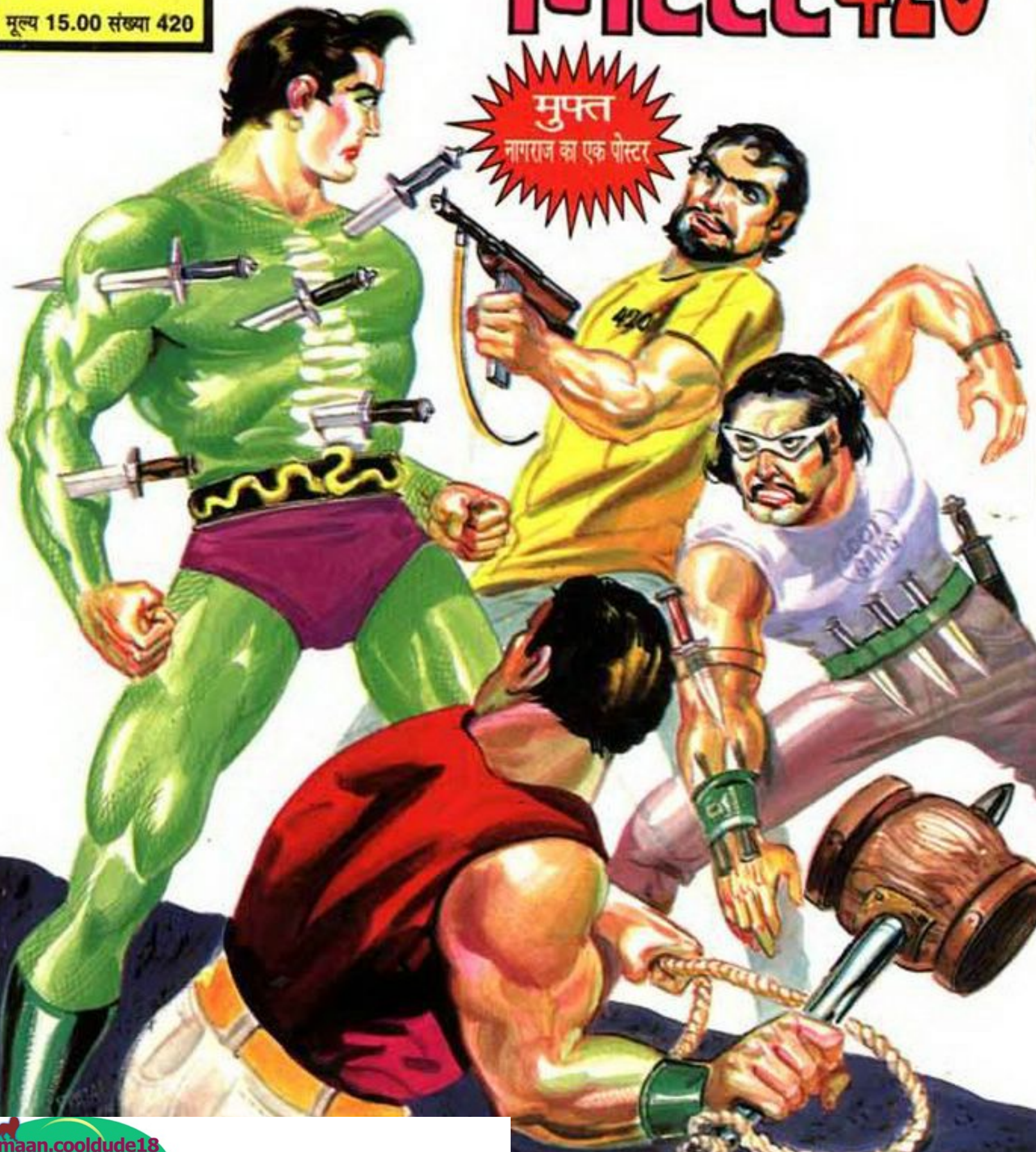
लेखकः—संजय गुप्ता
सम्पादकः—मनीष गुप्ता
कलानिर्देशनः—प्रताप मुलीक
चित्रांकनः—चंदू

म्बई शहर में इन दिनों धूम मचा रखी थी
मत्कारी सर्कस कम्पनी ने—

जहां कहीं भी चमत्कारी सर्कस कम्पनी का शो होता है मैं जरूर पहुंचता हूं।

अरे भई, इनके शो भी तो अद्‌भुत व आश्चर्यजनक होते हैं। कोई छोड़ भी कैसे सकता है।

नागराज सीरीज

स फुल था, टिकटें ब्लैक में बिक रही थी।

ों के पिंजरे में बंद था एक आदमी।

की बहादुरी
शेरों के बीच कैसा
ता रहता है, जिन्हें
एक बार ही
है।

काश ! मैं भी इतना ही बहादुर होता।

शो की लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से सहज हो गया कि वहां नागराज भी मौजूद था।

अगर इसमें कहीं कोई फाउल प्ले नहीं है तो वाकई यह आदमी बहुत बहादुर है।

फाउल प्ले यानि धोखेबाजी की गंध क्यों सूंघ रहा था नागराज।

तभी नागराज की निगाहें केंद्रित हो उठीं जिसका मतलब था कि वह किसी को सम्मोहित कर रहा है।
सम्मोहित हुईं दो निगाहें—
और सम्मोहित शेर ने नागराज के इशारे पर छलांग लगा दी उस बहादुर व्यक्ति पर।
ग्रर्र्र्र
नागराज ने ऐसा क्यों किया? क्यों एक जिंदगी को दांव पर लगाया?
उपस्थित हर दर्शक के मुंह से चीखें उबल पड़ीं जब शेर के जबड़े में बहादुर व्यक्ति का पूरा मुंह समा गया।
ईं-ईं-आ
अगले ही पल बाकी के शेर भी कूद पड़े उस उत्पात में।
ग्रर्र
बोटी-बोटी नोच डालनी थी अब उस युवक की खूंखार शेरों ने।
कुछ ही पलों बाद जब शेरों का गुस्सा शांत हुआ।
शिकार को छोड़ वे वापस पलट गए।

Rahul Kochar
दर्शकों के मुखों से निकली और चीखें, किन्तु आश्चर्य रूपी, क्योंकि दृश्य ही कुछ ऐसा था।
उफ!
हाय!
राम!
धोखा!
नागराज के मुख पर खेल गई एक मुस्कान।
उसकी आंखों व चलने के अन्दाज से मुझे उसके मशीनी होने पर शक हो गया था।
एक बड़ी धोखेबाजी का भांडा फोड़ा नागराज ने।
शहर के दूसरे कोने में चल रहा था चमत्कारी सर्कस कम्पनी का दूसरा शो।
यह व्यक्ति पन्द्रह दिनों से इस शीशे के केबिन में दो हजार जहरीलें सांपों के बीच रह रहा है जो कि एक असम्भव सा कार्य है।
वही गंध...नागराज ने यहां भी सूंघी।
FOUL PLAY याने धोखेबाजी जिसका परदाफाश करके रहूंगा मैं।
आंखों में घूम उठे इन घेरों का अभिप्राय है कि नागराज किसी को सम्मोहित कर रहा है।
दो निगाहें बंध गईं उस सम्मोहन में।
amaan.cooldude18

तूफान की तरह उठा युवक—
केबिन में घूमते सांपों को उठाकर तोड़ने लगा वह—
दर्शकों के बीच यह दृश्य देख सनसनी सी दौड़ गई।
यह क्या कर रहा है ? पागल हो गया क्या ?
अब वह नाग इसे जीवित ना छोड़ेंगे
युवक ने कुर्सी उठाई और शीशे के केबिन की दीवारों पर मारने लगा।
केबिन से निकल कर नाग दर्शकों की ओर दौड़े।
दर्शकों में मच गया हड़कम्प...
हाहाकार मच गया वहां।

किन्तु आश्चर्य मिश्रित स्वरों के बीच सब थम गया।
अरे रुको, रुको। यह तो नकली मशीनी नाग हैं।
अरे हां, यह तो मशीनी नाग ही हैं।
एक और बड़ा भाण्डाफोड़ हुआ था उस दिन नागराज के द्वारा।

उसी रात बम्बई की एक ऊंची इमारत के नीचे लगी हुई थी असंख्य लोगों की भीड़।
इस बयालिस मंजिली इमारत की छत से चमत्कारी, सर्कस कम्पनी का आदमी छलांग लगाकर सही-सलामत नीचे पहुंच कर दिखाएगा।

उस जांबाज युवक ने दर्शकों का अभिवादन किया...
यह आत्महत्या की कोशिश साबित होगी। यह व्यक्ति जीवित नीचे नहीं आयेगा।

फिर वह छत पर जाने के लिए पलटकर इमारत में प्रविष्ट हो गया।

दर्शक सांस रोक कर उसके छत पर पहुंचने का इंतजार कर रहे थे।
नीचे गिरते ही उसके शरीर के चिथड़े उड़ जायेंगे।
उफ ! मैं यह दृश्य कैसे देखूंगी ?
यहां क्या घोटाला हो सकता है ?
नागराज का सोचना भी गलत साबित हो सकता है क्या ?

इमारत की बयालीसवीं मंजिल की छत पर रोशनी के बीच दिखाई दिया वह युवक—
किसी भी क्षण कूदने के लिए तैयार था वह। देर की जा रही थी जो बस दर्शकों के हृदयों में थ्रिल बढ़ाने के लिए—

अचानक नागराज की निगाहें घूमीं पिछली इमारत की तरफ।
इस व्यक्ति पर रोशनी इस इमारत की छत से फेंकी जा रही है।
भीड़ में से निकला नागराज।

कुछ क्षण पश्चात वह उस इमारत की लिफ्ट तक पहुंच गया।
लगता है इस FOUL PLAY यानि घोटाले का भी पर्दाफाश मैं ही करूंगा।
दिलों में खेलता रोमांच जब चरमसीमा पर पहुंचा, जांबाज युवक कूद पड़ा छत पर से।
किन्तु तभी उसका जमीन की ओर गिर शरीर हवा में ही स्थिर हो गया—
दर्शकों में मची खलबली—
अरे! यह क्या? यह युवक हवा में ही कैसे लटका रह गया?
कुछ देर पश्चात दर्शकों की भीड़ को चीरता नागराज पहुंचा इमारत के सामने।
उपस्थित दर्शको! आप जिसे हवा में अटका शरीर समझ रहे हैं वह वास्तव में उस सामने वाली इमारत से प्रक्षेपित किया जा रहा उस जांबाज युवक का त्रिआयामी अक्स है।
नागराज की सूचना पाकर वहां पहुंच चुकी पुलिस ने गिरफ्तार किया चमत्कारी सर्कस कम्पनी के सभी कर्मचारियों को और इमारत में छुपे उस जांबाज युवक को भी।
चमत्कारी सर्कस कम्पनी की आड़ में चल रही किसी बड़ी चार सौ बीसी का भाण्डा फोड़ूंगा मैं उसके सरगना को शीघ्र पकड़वाकर।

...में हुए इस काण्ड से मची ...भी कहीं तीव्र खलबली।
चमत्कारी सर्कस कम्पनी के नाम से घोटाले करने वाले उस चार सौ बीस व्यक्ति मिस्टर अण्टे की तलाश है अब पुलिस को। पुलिस फाइल में जिसका नाम रखा गया मिस्टर 420.
रिमोट का बटन दबा और...

...से स्क्रीन पर छा गया अंधेरा—
मिस्टर 420 नाम दिया गया ...! GENTLEMAN आपने देखा, किस तरह नागराज ने हमारे सभी ...धंधे बंद कराए जिनसे हमें प्राप्त होता था पैसा।...

...जिसकी बदौलत चल रही थी चमत्कारी इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड जो बना रही है ऐसी अद्भुत कम्प्यूटर प्रणाली जिससे तैयार माइक्रोचिप्स...
Chamatkari ELECTRONICS

...हम जिस भी शातिर अपराधी के मस्तिष्क में रोपित कर देंगे। वह हमारे आदेश मानने पर मजबूर होगा और अपने फन, अपनी कला के बलबूते पर बड़े से बड़ा अपराध बिना किसी डर, बिना झिझक करेगा।

अब उस पैसे की प्राप्ति के लिये अपनाना पड़ेगा हमें दूसरा रास्ता।

बम्बई के एक मल्टी मिलीनियर मिस्टर डिसूजा के साहबजादे की कार के पीछे पड़े थे चार मोटरसाइकिल सवार खूंखार गुण्डे।
हम कहते हैं गाड़ी रोको। वरना शूट-कर देंगे
गाड़ी मत रोकना ड्राइवर ! मैं इनकी मोटर-साइकिल अभी गिरा देता हूं।
6220

सामने से आती टैक्सी को देख उनके सब्र का बांध टूट गया।
कुण्टा, जल्दी करो, इसे गोलियों का स्वाद चखाओ। कहीं ऐसा ना हो कि ऐसे ही शहर के अन्दर पहुंच जाएं हम।
ठीक कहते हो।
गोलियों की थरथराहट से गूंज उठी सड़क।

टैक्सी झटके के साथ एक साइड में रुकी। एक जाना-पहचाना चेहरा बाहर निकला उसमें से...
अपहरण की कोशिश की जा रही लगती है।
6220
ओवरकोट उतार कर नागराज तेजी से टैक्सी से बाहर नि

और दरवाजा खोल ड्राइवर को अंदर धकेल खुद ड्राइविंग सीट पर जम गया।
जल्दी से परे सरक जाओ, मैं नागराज हूं। उस बच्चे को मेरी मदद की आवश्यकता है।
अगले क्षण गति पकड़ टैक्सी घूम चुकी थी गुण्डों की दिशा में।

आने वाले खतरे से बेखबर सड़क किनारे गाड़ी रुकवाने में स हो गये थे गुण्डे।
चल बेटा सेण्डो, अब तेरे बाप से तीस लाख रुपया मांगेगा बॉस !
जो हंसते-हंस देगा वह। हा

मोटरसाइकिलें वहीं छोड़ गाड़ी में दाखिल हो गये चारों।
चलो कुण्टा ! ले चलो कार अड्डे पर।

किन्तु कुण्टा कार ना चला सका, क्योंकि उसके हाथ बंध चुके थे स्टेरिंग व्हील के साथ।
नाग
हां नाग यानि नागराज के पहुंचने का संकेत।

ही देर पश्चात मिस्टर डिसूजा पुलिस
न से बाहर निकल रहे थे अपने
सेण्डो के साथ।
डैडी ! नागराज ने उन बदमाशों की वो धुलाई की कि अब सारी उम्र अपराध नहीं करेंगे वो।
HANKS NAGRAJ
बेटा ! यदि कुछ हो जाता हम जिन्दा रह पाते।
सनसनी मच गई जब यह खबर मिस्टर 420 के पास पहुंची।
नागराज ! नागराज ! नागराज ! चंद घंटों में तबाह कर दिया उसने हमारे PROJECT को।
ELECTRONIC
कुण्टा व उसके आदमियों पर भरोसा है मुझे वे पुलिस के आगे टूटेंगे नहीं। किन्तु फिर भी अब हमें यह ठिकाना बदलना होगा।
पर अपने अगले अंजाम से भी वाकिफ ना था वह।
तभी उस पैनी आवाज ने थर्रा दिए उपस्थित हर व्यक्ति के हृदय।
ठिकाना बदलने की अब तुम्हें कोई जरूरत नहीं मिस्टर अण्टे उर्फ मिस्टर 420, क्योंकि तुम्हारा ठिकाना बदलने आ पहुंची है अब पुलिस।
रो उबल उठा मिस्टर 420 नागराज को देख—
नागराज!
नागराज!
सींखचों के पीछे पहुंच गए चमत्कारी इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के सभी चेहरे—
सिगार को चबाता चला गया वह अत्यधिक क्रोधवश।

मिस्टर डिसूजा के घर शानदार डिनर पर आमंत्रित था नागराज—
मिस्टर डिसूजा, आपके चेरिटी अनाथालयों व अस्पतालों के बारे में बहुत सुना है मैंने।
कल सुबह मैं आपको अपने सभी अनाथालय व अस्पताल दिखाने ले चलूंगा।
सेण्डो व डिसूजा से बहुत सी बातों व कु
देर के आराम में कट गई वह रात।
अगले दिन मिस्टर डिसूजा नागराज को ले चले दिखाने डिसूजा चेरिटेबल अस्पताल व अनाथालय।
आप धन्य हैं मिस्टर डिसूजा, जो गरीबों के लि कमाते हैं। इन जरूरतम मिले मुफ्त इलाज दवा...
नागराज! इन्कम-टैक्स देने के बाद मेरी कमाई का सत्तर प्रतिशत हिस्सा चेरिटी के काम आता है।
...के बदले निकलती इनकी लाखों दुआएं आपकी जिंदगी को खुशियों से भर देंगी।
...और डिसूजा चेरिटेबल अनाथालय पहुंचे।
नागराज इस अनाथालय में बहुत से अंधे बच्चे पल रहे हैं।
अंधे बच्चे!
इनकी दुआओं का ही तो नतीजा है नागराज! जो सेण्डो को बचाने तुम पहुंच गये।
हां, अंधे बच्चे! हमारे डाक्टरों ने शोध के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि मोरका नस्ल के सांप का विष इस्तेमाल किया जाए तो इन बच्चों के रेटिना पर चढ़ा जाला काटा जा सकता है और...
...इनकी आंखों में रोशनी लाई जा सकती है। किन्तु...
...किन्तु मोरका नस्ल के सांप मुहैया ना हो पाने की स्थिति में यह असंभव है यही ना।
अस्पताल से निकले वे कार में सवार हुए

के दृढ़ स्वर निकले—
मैं लाकर दूंगा मोरका नस्ल के का विष, किन्तु इस कार्य में दस दिन लगेंगे।
ओह ! नागराज ! अगर यह सम्भव हो गया तो डिसूजा तुम्हारा गुलाम हो जाएगा।
डिसूजा ! तुम महान आदमी हो। तुम्हारी आत्मा, तुम्हारे विचार सब महान हैं।

दिन नागराज ने विदा ली डिसूजा से नागमणि द्वीप के लिए—
डिसूजा ! रहा हूं, जल्दी अपने डाक्टरों रहना तैयार रहें।
हमें तुम्हारा बहुत इंतजार रहेगा नागराज।

हैलिकॉप्टर उड़ चला...
मोरका नस्ल के नाग केवल नागमणि द्वीप में ही रह गये हैं। वह भी सीमित संख्या में। इस युग का वातावरण उन्हें माफिक नहीं आता, इसलिये वे खत्म होते जा रहे हैं, किन्तु मानवता के नाते मैं उन्हें विष देने को राजी कर लूंगा।

मुकदमा चला मिस्टर 420 पर और सजा काटने के लिए उसे व उसके वैज्ञानिक साथियों को एक सुरक्षित जेल में भेज दिया गया।
देशभर के शातिर व खूंखार अपराधी थे इस जेल के कैदी।

में एक दादा होता है जिसका हुक्म अन्य सभी कैदी
कौन लड़ रहा है यह जेल में ?
साले, नया आया है तभी नहीं मालूम, दादा पेड्रो है। जेल में जेलर की नहीं उसकी हुकूमत चलती है। पास आए तो सलाम ठोकियो वरना वो ठोक देगा, समझा।

हाथों को सेंक आगे बढ़ा। दादा पेड्रो...
कोई और है जो ललकारेगा दादा पेड्रो को।
हर चेहरे पर दौड़ रही थी हवाइयां।

उसी दिन जेल के एक सुनसान कोने में हुई एक बड़ी डील...
तुम्हारा प्लान जरूर सफल होगा।
इसी में तुम्हारा हमारा और हमारे बहुत से साथियों का फायदा है।
रात्रि के भोजन के लिए इकट्ठे हुए सभी कैदी ख
पंक्तिबद्ध
क्या देरी है ? भूख के मारे जान निकल रही है।
चुप मूर्ख,
दादा खाए
खाना
भूख के मारे जान निकल रही थी मिस्टर
वह लाइन तोड़ बाहर निकल आया—
मैं नहीं रुक सकता किसी के लिये। देख लूंगा अब तुम्हारे पेड्रो को भी।
आगे के हौलनाक परिणामों से दहल गया प्रत्येक कैदी का दि
वह जैसे ही घूमा एक जबरदस्त ठोकर ने उसकी प्लेट उछाल फेंकी।
आज कुछ ज्यादा ही खौफनाक था दादा पेड्रो का स्वर...
अब तू भूखा ही मरेगा भीडू !
मर गए भूखा मारने वाले। आज के बाद तेरी दादागिरी खत्म हो जाएगी पेड्रो !
पहला वार किया मिस्टर 420 ने—
ब्लैक बेल्ट हासिल है कुंगफू
कुंगफू के आगे बड़ा शरी
नहीं रखता।
हर शख्स हैरान था पहली
वार किया दादा पेड्रो

बैठा पेड्रो, उछला वह—
तेरी
तूने दादा पेड्रो को नहीं, यमराज को ललकारा है।
मुंह से जलता हुआ सिगार निकाल 420 ने पेड्रो के मुंह में घुसेड़ दिया।
ले इस आग का स्वाद चख यमराज के चाचा !
पेड्रो का हलक तक जलाता चला गया सिगार।
का 420 ने उसे।
हाय!
किन्तु विद्युत गति से उठ कर दौड़ा पेड्रो 420 की ओर...
420 तेरी मौत बहुत भयंकर होगी अब।
अगले पल हवा में टंगा हुआ था मिस्टर 420—
जेल का जेलर भी मेरे बाद खाना खाता था।
0 के हाथ आया भोजन का उसने दे मारा पेड्रो के मुंह पर—
दर्द से आंखें मिचमिचाते पेड्रो ने उछाल फेंका 420 को।
उसकी कमर टकराई पक्की धरती से।
किन्तु इस वक्त दर्द से नहीं मौत से बचना था।
ये ले साफ कर दूं तेरा मुंह।
साबुन के झागों से लिपटा ब्रुश टकराया पेड्रो के मुंह मे।
पहुंची पेड्रो की आंखों में—

खुलने की कोशिश करती आंखें फिर बंद हो गईं।
दादा पेड्रो से पंगा बहुत महंगा पड़ेगा तुझे 420.
कूद पड़ा 420 पेड्रो की पीठ पर—
पेड्रो की गर्दन जा फंसी साबुन वाली बाल्टी में।
फिर कोई मौका ना मिला पेड्रो को—
ढिशुम
दादा की सारी दादागिरी धो डाली उसने—
धूम
आह
बुरी तरह हाय-हाय निकल रही थी
और उस प्रलयंकारी ठोकर ने तो दम ही निकाल दिया पेड्रो का—
बस-बस और नहीं मारो। मैं हारा, तुम जीते दादा 420.
ठीक है बच्चे, जा माफ किया।
आज से जेल का दादा मिस्टर 420। अब जेल चलनी थी उसकी हुकूमत

दिन जेलर के एक गुप्त कक्ष में।
हां, मिस्टर 420, सभी कैदी तुम्हारा हुक्म मानेंगे।
हा हा हा। हमारा प्लान सफल रहा।
और मैं तो हूं ही तुम्हारे हुक्म का गुलाम।
बार सी बीसी खेलने जा रहा था मिस्टर 420.
बम्बई शहर में एकाएक जन्म हुआ लूटगैंग का।
हम हैं लूटगैंग। सब लूट लेंगे।
लूट शुरू हुई लूटगैंग की—
भागे वे नोटों से
ही पुलिस ने ललकारा लूटगैंग को—
हथियार फेंक दो। नहीं तो मारे जाओगे।
उफ ! यह तो रुक नहीं रहा।
क्योंकि लूटगैंग के दिलो दिमाग से खौफ, डर व भय निकाल फेंका गया था।
इंसाफ के रखवाले उठ खड़े हुए लूटगैंग को समाप्त करने के लिये
फ्रायर
किन्तु—

उनके हथियारों से पहले गरज उठी उसकी स्टेनगन।

मैं हूं गनमास्टर G नाइन। लूटगैंग का प्रोटेक्टर हर लूटगैंग के साथ चलता है।

एक-एक गोली एक-एक सिपाही की जिंदगी हरती चली गई।

अपना काम पूरा कर भाग लिया गनमास्टर

प्रोटेक्टर जो लूटगैंग को ऐसे किसी भी संभावित खतरे से बचाता है।

गनमास्टर G नाइन का निशाना कभी खाली नहीं जाता।

POLICE

अंधेरे में विलीन हो गया लूटगैंग व उसका प्र

उसी रात शहर के दूसरे हिस्से में लूटगैंग का दूसरा दल लूट रहा था बैंक—

STATE BANK OF

शाबाश बच्चो! निकल चलो, जल्दी।

सभी वैन में सवार होते चले गये।

बाकी बचा उनका प्रोटेक्टर बुचर जिसकी छाती से आ लगी थी एक गार्ड की पिस्टल—

चाकू फेंक कर उन्हें रोको वरना...

उन्हें रोकूं! अबे उन्हें तो अब ऊपरवाला भी नहीं रोक सकता।

हाथ घूमा बुचर का और हाथ कट गया गार्ड का—

बुचर कहते हैं मुझे। बुच यानी कसाई।

पिस्टल बिना कोई करतब दिखाए जमीन पर शहीद हो गई।

कानून व्यवस्था
ठा दिखाता
गया लूटगैंग।
हा हा हा। हम हैं लूटगैंग। सब लूट लेंगे।
की तरफ सफर कर रहा था
मोरका नस्ल के नागों का पर्याप्त विष पाने में कामयाब रहा हूं मैं।
अंधे बच्चों को मिलने वाली रोशनी की चमक दिखाई दे रही थी नागराज की आंखों में।
मिस्टर डिसूजा यह विष पाकर खुशी से नाच उठेंगे।
किन्तु—
इस वक्त तो मौत के भय से भाग रहे थे मिस्टर डिसूजा—
धांय
धांय
ठां
ठां
हा हा हा। लूटगैंग हैं हम। सब लूट लेंगे।
लूटगैंग जो लूटने आया हुआ था उन्हें।
घेर लिया उसे लूटगैंग ने—
हा हा हा। ला चाबी दे तिजोरी की।
ले लो।
में लूटगैंग को कुल सोलह मिनट लगे—
अलविदा डिसूजा, तू रहा तो हम फिर आएंगे।
छोड़ूंगा नहीं मैं तुम्हें।...
डिसूजा की उंगलियां पिस्तल के ट्रैगर पर कस गईं।
amaan.cooldude18

किन्तु उसके फायर करने से पहले गूंज उठा एक धमाका—
धड़ाम
आह!
धमाके के जोर से उसका शरीर हाल के फर्श पर आ टपका।
प्रकट हुआ लूटगैंग का एक और प्रोटेक्टर, भगोड़ा।
हा हा हा। बेवकूफ ! भूल गया था क्या कि लूट गैंग हमेशा एक प्रोटेक्टर के साथ चलती है।
LOOT GANG
अपना काम निबटा कर कूच कर गया लूटगैंग।
तभी उजड़े हुए कक्ष में प्रवेश किया ना
मिस्टर डिसूजा ! मिस्टर डिसूजा......मिस्टर.. ...डिसूजा !
बुरी तरह तड़पते डिसूजा पर नजर पड़ी नागराज की।
नागराज दौड़कर उसके समीप पहुंचा।
मिस्टर डिसूजा ! यह क्या हुआ ? यह किसने किया मिस्टर डिसूजा ?
न...ना नागराज, बहुत देर कर दी मित्र तुमने।
डिसूजा उसे लूटगैंग के बारे में बताता चला गया।
बुरी तरह सांस उखड़ने लगी थी अब उसकी—
देखो ना...नागराज तुम्हारे आने तक मैंने तो तुम्हारी इंतजार की, किन्तु अ...अब बाकी काम तुम्हें खुद करना होगा सेण्डो सेण...डो के साथ उसका...
...ध्यान रखना। वह आता ही होगा...तुम्हें अंधों को रोशनी जरूरी देनी है नागराज ! विदा... अलविदा...अ...ह. आह...
एक तरफ ढुलक गई उसकी निर्जी

सेण्डो का दृढ़ गूंजा वहां—
सेण्डो
नागराज अंधे बच्चों को रोशनी जरूर मिलेगी। मैं दूंगा तुम्हारा साथ ! डैडी की अंतिम इच्छा जरूर पूरी होगी नागराज !
सेण्डो ! इस ...ान आदमी के ...ों को बहुत बुरी ...ौत दूंगा मैं।
और मैं इस महान आदमी की राह पर चलकर लोगों को जिंदगी दूंगा नागराज !
...बाद पुलिस आई और मिस्टर डिसूजा का ...ोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया।
मिस्टर डिसूजा के डाक्टरों को सौंप दिया गया मोरका नस्ल के सांपों का विष।
हम शीघ्र ही वह दवा बना लेंगे जिनसे अंधे बच्चों की आंखों में रोशनी आ सके।
थैंक्यू डाक्टर ! मिस्टर डिसूजा की अंतिम इच्छा जरूर पूरी होनी चाहिए।
सेण्डो को घर भेज नागराज चल पड़ा... ।
..लूटगैंग की तलाश में—
लूटगैंग के बारे में कोई जानकारी है ?
नहीं बाबा, नहीं।
...वर्ल्ड के शातिर लोगों तक जा पहुंचा ...ज—
इस गैंग के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ऐसा लगता है ये बाहर के लोग हैं।
अण्डरवर्ल्ड यानि अपराध जगत के कुछ ऐसे लोग होते हैं जिन्हें हर छोटे-बड़े अपराध की पूर्ण जानकारी होती है।
नागराज ! बम्बई का हर छोटा-बड़ा अपराधी परेशान है कि ये कौन लोग हैं ?
हुम्म ! मैं दूर करूंगा यह परेशानी।
हर जगह मिले निराशाजनक जवाब के बावजूद भी नागराज दृढ़ संकल्प था।

बेधड़क लूटपाट को देखते हुए सम्पूर्ण पुलिस डिपार्टमेंट सचेत हो चुका था।

इतनी गश्त के बाद लूटपाट की कोशिश करना आत्महत्या जैसा प्रयास होता—

किन्तु वे शायद किसी नशे में
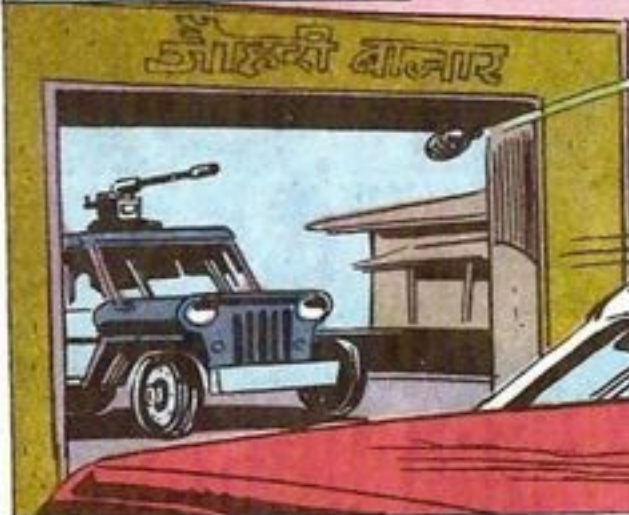
तु आज उनके खूंखार इरादों पर पानी फेर देने के लिये वहां मौजूद था नागराज—
गरीब भाई ज्वैलर्स
लूटगैंग
लूटगैंग
वाह ! क्या सुन्दर ताल-मेल है इन लुटेरों का !
लूटगैंग
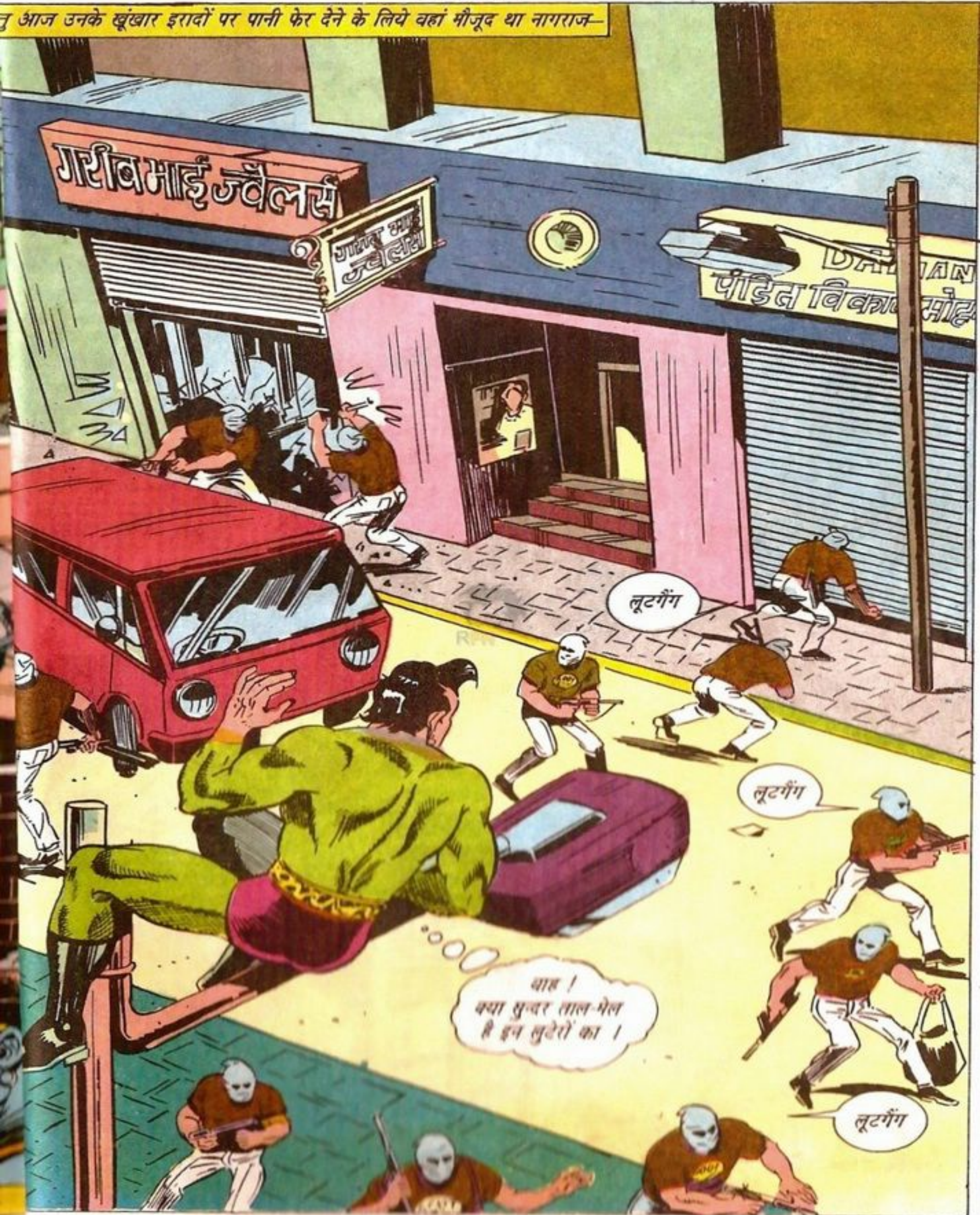
नागरस्सी दौड़ पड़ी दुकान का माल लूटते लुटेरों की तरफ—
LOOT GANG
देखते ही देखते दोनों बंध गए नाग बंधन में।
हाय ! यह क्या सांप ?
सांय सांय
दोनों के ही जीवन का सबसे बड़ा आश्चर्य था यह दृश्य।
नागराज आ गया एक्शन में—
लुटेरो आखरी लूट के लिये आए थे तुम।
नागराज !
लुटेरे थे पचासियों...
...और वह था अकेला।
आज फूटेगा भाण्डा लूट-गैंग का।
नागराज को देखकर अपराध जगत कांप उठता है,किन्तु उन पर उसका खास फर्क पड़ता ना दिखाई दिया।
हथियार फेंक दो और आज खुद को कानून के हवाले कर दो।
हमारी राह में जो आएगा मिटा दिया जायेगा।
धांय
धांय
नागराज पर तो क्या इन गोलियों का असर होता।
हां,नागराज की फुंफकार ने जरूर उनके होश मिटा दिए।
फुफ्फ
लुटेरे तो बेहोश हुए, किन्तु उनकी फायरिंग ने किसी को सचेत कर दिया होगा।

और पल के हजारवें हिस्से में नागराज के सामने आ खड़ा हुआ बुचर।
लूटगैंग के साथ ऐसा हंगामा पहली बार हुआ है बच्चे !...
उफ ! यह तो बहुत तेज है।
...और बुचर, तेरी चमड़ी को छील कर तुझे इस गलती की बड़ी भयानक सजा देगा।
के शिकंजे में फंसा हाथ—
राज पर कबाजी का हीं चलेगा तान !
फेंका नागराज ने लूटगैंग के उस को—
लूटगैंग को अब कोई नहीं बचा सकता।
फुर्ती से खड़ा हुआ बूचर और एक साथ कई चाकू उछाल फेंके उसने नागराज की ओर—
अब तुझे कोई नहीं बचा पाएगा नागराज !
खच्च-खच्च खच्चाक घुसते चले गए सभी चाकू नागराज के जिस्म में।
कोई और होता तो बेशक यमलोक पहुंच चुका होता।

किन्तु नागराज खड़ा मुस्करा रहा था क्योंकि—
नागराज पर चाकुओं का असर नहीं होता मूर्ख ! क्या यह भी नहीं जानता तू ?
बुचर के आश्चर्य की सीमा ना रही यह दृश्य देखकर।
नागराज की उस लम्बी उछाल व ताकतवर किक ने उसके आश्चर्य को दोगुना कर दिया।
अभी मुझे पूरे लूटगैंग को रोकना है बुचर, इसलिए तेरा खेल जल्दी समाप्त होना जरूरी है।
बेहोशी के अंधकार में डूबता चला गया
लुटेरों की लूट पूरी जवानी पर थी उस समय—
सोना, चांदी, हीरा, जो मिले सब भर लो अपने बैग में। गनमास्टर के रहते कोई आपत्ति नहीं आने वाली।
किन्तु तभी बढ़ चढ़कर बोलते गनमास्टर G नाइन के गले में आकर पड़ी नागरस्सी—
हम लूटगैंग हैं। आ..उफ !
LOOT GANG
और उसका शरीर ऊपर खिंचता चला गया—
नागराज के अत्यधिक क्रोध से सामना हुआ गनमास्टर G नाइन का।
अपराध और अपराधियों से सख्त नफरत है मुझे।
उस ताकतवर घूंसे के फलस्व

पड़ा गनमास्टर
इन—
लूटगैंग के प्रोटेक्टर को ललकारा है तुमने!
वह और नागराज पर दनादन फायर ठोकता चला गया—
और लूटगैंग के प्रोटेक्टर की ताकत से वाकिफ नहीं तू। मेरा कोई निशाना खाली नहीं जाता।
और गनमास्टर का कोई निशाना खाली गया भी नहीं, किन्तु—
जब सामने नागराज खड़ा हो तो गोलियों को अपने असली होने पर शक होने लगता है।
नागराज की कलाई सीधी हुई और नागानन्द उड़ चला गनमास्टर की ओर—
इसका पिस्टल लेकर आओ नागानन्द!
अगले ही पल गन-मास्टर G नाइन निहत्था हो चुका था।
नागराज का कहर बरस पड़ा उस पर—
धाड़
धड़ाक
धड़
फलस्व
amaan.cooldude18
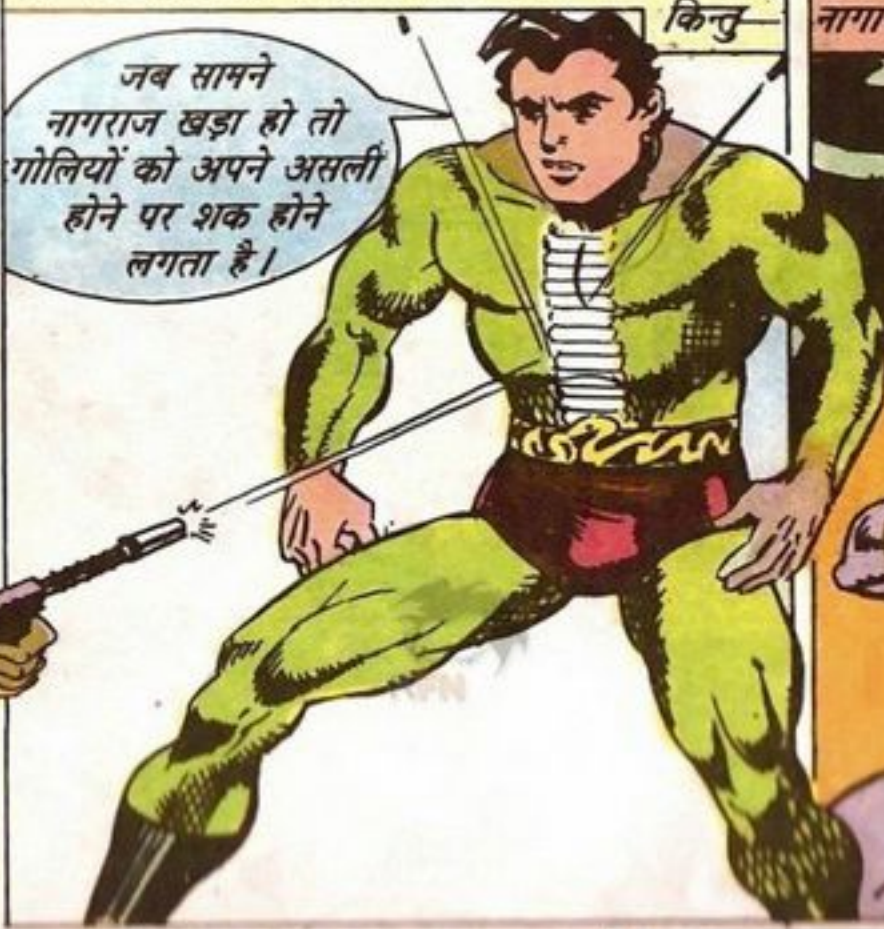
नागराज बिजली का पुतला बना हुआ था आज रात।
नागराज नीचे आया।
और तभी लुटेरे दुकान लूट कर बाहर निकले—
आज बॉस बहुत खुश होगा।
शाबाशी भी देगा।
बहुत खुश थे लूटगैंग के वे
किन्तु दो पल की खुशी साबित हुई वह—
नाग बंधन में जकड़े गये पांचों—
आज बॉस बहुत दुखी होएगा और तुम्हें गालियां देगा बच्चो।
तभी—
धड़ाम
यह बम का धमाका इसका मतलब।
यह वही शख्स है जिसने मिस्टर डिसूज़ा की जान ली बम से।

नागराज की किक ने उछाल फेंका भगोड़े को—
तेरा अंत समय आ गया है। नीच व्यक्ति तू ही है जिसने मिस्टर डिसूजा की हत्या की थी।
क्रोध की अधिकता व मार की पीड़ा में अंधे हुए भगोड़े ने बम उछाल फेंका।
भगोड़े के अंदर के बारूद को सुलगा दिया है तूने!
परिणामतः
सभी सवारियां नष्ट हो गईं।
जब धमाके की गूंज शांत हुई।
नागराज के ठहाकों ने गूंजा दिये भगोड़े के कान—
हा हा हा। सुलगे हुए बारूद, अब लूटगैंग कैसे भागेगा?
नागराज! अब तू जीवित नहीं बचेगा।
भगोड़े ने एक हैण्डग्रेनेड का पिन खींच लिया
उछालता,
चार सेकेण्ड में फटेगा ना यह बम।
लिया उसका हेण्डग्रेनेड थामा हुआ हाथ।
नागराज और फट पड़ा हेण्डग्रेनेड।

नागराज के मुंह से टकराया हथौड़ा—
होश संभालने मुश्किल हो गए नागराज के लिये।
लूटगैंग के साथ नागराज के सामने खड़ा था तोड़ू।
बहुत नुकसान पहुंचा चुका लूटगैंग को तू।
नागराज पर दोबारा वार किया तोड़ू ने—
तोड़ू का हथौड़ा अब तेरा मुंह तोड़ देगा।
नागराज की लात घूमी—
मुंह कौन किसका तोड़ता है अभी पता चल जाएगा।
उसकी लात हथौड़े से टकराई और हथौड़ा वापस
तोड़ू उस मार से अपने होश न संभाल सका—
ठडाक
नागराज उछला और तोड़ू को दबोच कर उड़ चला।
नागराज तो चला बेटा! मारो एक-दूसरे को
ठांय ठांय
तभी वातावरण गूंज उठा पुलिस

ज्यादा कुछ नहीं करना
हथकड़ियां लगाने के

लूटगैंग की बदनसीबी थी कि वह नागराज से टकरा गया।

बोल कौन है, तुम्हारा बॉस और कहां है तुम लोगों का अड्डा।

तपाका जेल के कैदी हैं हम। हमारा बॉस है मिस्टर 420 जेल में ही...

नागराज के सम्मोहन में बंधा वह सब कुछ बकता चला गया।

तभी सभी बैरकों के गेट खुलते चले गए और कैदियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।
धांए
धांए
और—
भड़ाक
जेल की धरती फाड़कर बाहर निकला पेड्रो।
कैदियों के मसीहा उनकी जिंदगी सुधार देने वाले मिस्टर 420 को कोई नहीं ले जा सकता।
नागराज को घूंसा जड़ दिया पेड्रो ने।
ढिशुम
मिस्टर 420 के मुंह से उबल पड़ा अट्टहास—
हा हा हा। नागराज ! यह है पेड्रो। इसे हमने स्पेशल हारमोन्स के इंजेक्शन देकर असीमित ताकतवर बना दिया है। इससे ना जीत पाओगे तुम!
...और फिर इसके में वह माइक्रो चिप्स है, जिसका निर्माण जेल में किया था लूटगैंग के हर लुटेरे में भी रोपित किया गया कारण दिमाग से डर हो जाता है और आदेश मानने पर हो जाता

अब इस जेल से
ज़िंदा बाहर ना निकल
सकेगा तू।
एक ही घूंसे में क़ोठरी के बाहर उछाल फेंका
पेड्रो ने नागराज को—
ढिशूम
की तरफ बढ़ा पेड्रो—
इसके घूंसों से
दिमाग अब तक
घूम रहा है।
नागराज ने लेट कर पेड्रो के शरीर को
अपने पैरों पर उठाया और—
...खिड़की की तरफ उछाल फेंका।
का जंगला तोड़ता हुआ पेड्रो का जिस्म
तरफ बढ़ा—
पक्की ज़मीन से सिर टकराते ही चूर-चूर हो गया—
हर बुराई का
ऐसा ही बुरा अंत होता
है।
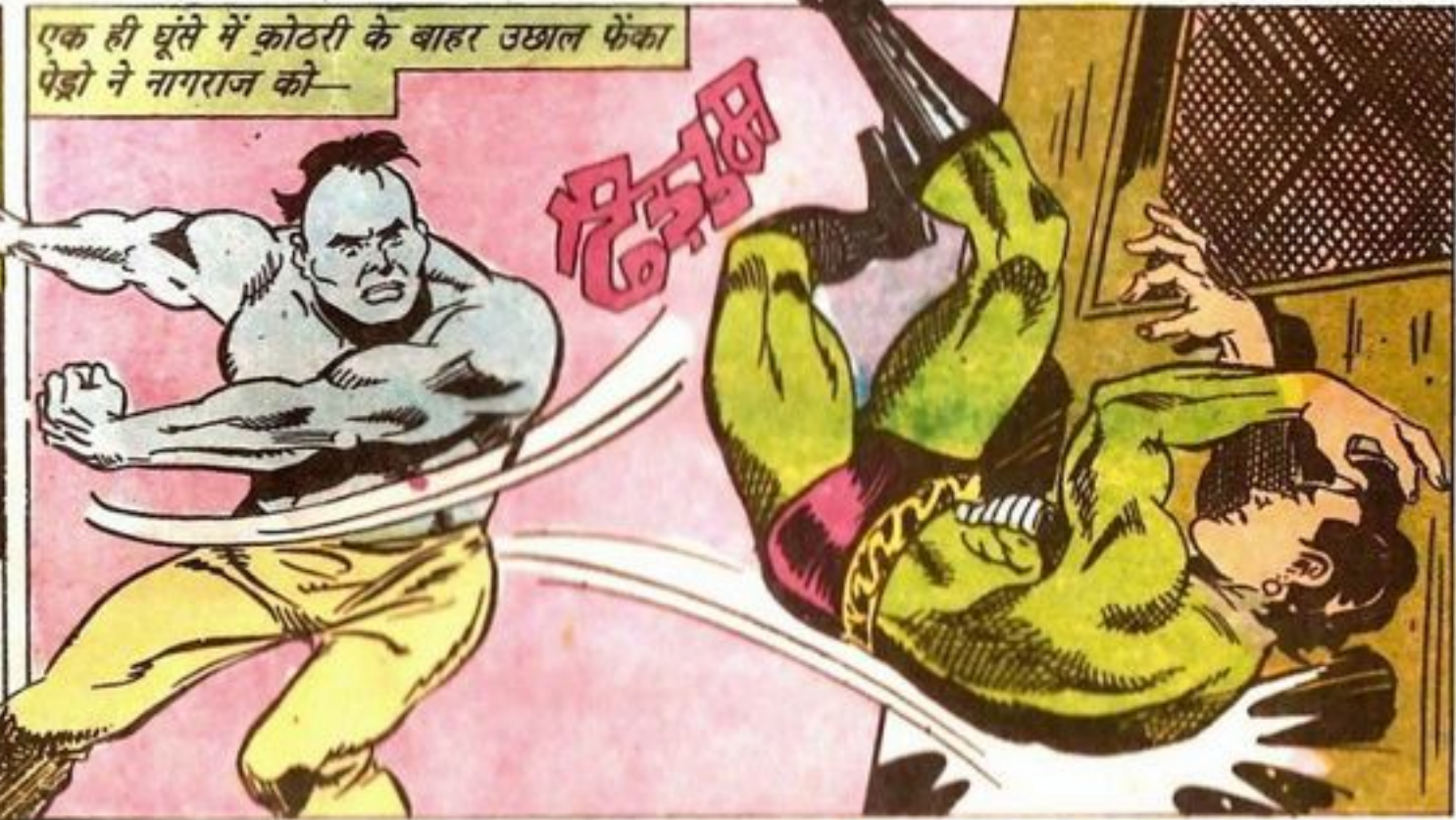
राज कॉमिक्स
मिस्टर 420, जेलर, जेल के कैदी व जेल के अन्य भ्रष्ट कर्मचारी सी० बी० आई० की गिरफ्त में आ गए।
मिस्टर 420 को एक अन्य अत्यधिक सुरक्षित जेल में पहुंचा दिया गया।
लूटगैंग के खात्मे से बम्बई शहर में फिर शांति
मोरका नस्ल के नागों के विष की मदद से बनी दवा से डिसूजा चैरिटेबल अनाथालय के अंधे बच्चों की आंखों को मिल गई रोशनी।
थैंक्यू नागराज!
थैंक्यू कहो मि० डिसूजा को, थैंक्यू कहो, इन डाक्टरों को और इस नन्हे सेण्डो को।
और फिर नागराज चल
अनन्त सफर पर—
सेण्डो ने पिता की मूर्ति के आगे अपनी कसम दोहराई—
नागराज! डैडी के महान कार्यों व महान इच्छाओं को जीवन देकर भी पूरा करूंगा।
हर पुत्र को तुम्हारी ही तरह बनना चाहिए सेण्डो!
32
amaan.cooldude18